जब भी आये लबों पे मुहम्मद का नाम | By Ehsas Kausar

जब भी आये लबों पे मुहम्मद का नाम
तुम पे लाज़िम है पढ़ लो दुरुद ओ सलाम
जब भी आये लबों पे मुहम्मद का नाम

सबसे अफ़ज़ल हैं नबियों में उम्मे लक़ब
सरवरे अंबिया है वो शाहे अरब
सब नबी मुबतदो और आक़ा इमाम
जब भी आये लबों पे मुहम्मद का नाम
तुम पे लाज़िम है पढ़ लो दुरुद ओ सलाम
जब भी आये लबों पे मुहम्मद का नाम

क्यूँ ना दुनिया हो नाम ए नबी पे फ़िदा
जबकि शैदा है प्यारे नबी पे खुदा
नाम ए अहमद पे क़ुर्बान खुदाई तमाम
तुम पे लाज़िम है पढ़ लो दुरुद ओ सलाम
जब भी आये लबों पे मुहम्मद का नाम

हश्र के दिन मुहम्मद करेंगे करम
फिर भला क्यूँ रहेगा ना उसका भरम
क्यूँ के अनवर भी तो है उन्ही का गुलाम
तुम पे लाज़िम है पढ़ लो दुरुद ओ सलाम
जब भी आये लबों पे मुहम्मद का नाम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%b2%e0%a4%ac%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a6-%e0%a4%95/